

Chapter: 1 to 11

विभाग १ - गद्य : 20 अंक

Q.1 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

रामस्वरूप: (दरवाजे से बाहर झाँककर) अरे प्रेमा, वे आ भी गए। ... तुम उमा को समझा देना, थोड़ा-सा गा देगी।

रामस्वरूप: हँ-हँ-हँ। आइए, आइए! [बाबू गोपाल प्रसाद बैठते हैं।] हँ हँ!... मकान ढूँढ़ने में कुछ तकलीफ तो नहीं हुई?

गो. प्रसाद: (खँखारकर) नहीं। ताँगेवाला जानता था। रास्ता मिलता कैसे नहीं?

रामस्वरूप: हँ-हँ-हँ! (लड़के की तरफ मुखातिब होकर) और कहिए शंकर बाबू, कितने दिनों की छुट्टियाँ हैं?

शंकर: जी, कॉलेज की तो छुट्टियाँ नहीं हैं। 'वीक एंड' में चला आया था।

रामस्वरूप: तो आपके कोर्स खत्म होने में तो अब साल भर रहा होगा?

शंकर: जी, यही कोई साल-दो साल।

रामस्वरूप: साल, दो साल?

शंकर: हँ-हँ-हँ!... जी एकाध साल का 'मार्जिन' रखता हूँ।

गो. प्रसाद: (अपनी आवाज और तरीका बदलते हुए) अच्छा तो साहब, फिर 'बिजनेस' की बातचीत हो जाए।

रामस्वरूप: (चौंककर) बिजनेस? - (समझकर) ओह!... अच्छा, अच्छा। लेकिन जरा नाश्ता तो कर लीजिए।

गो. प्रसाद: यह सब आप क्या तकल्लुफ करते हैं!

रामस्वरूप: हँ-हँ-हँ! तकल्लुफ किस बात का। यह तो मेरी बड़ी तकदीर है कि आप मेरे यहाँ तशरीफ लाए। (अंदर जाते हैं।)

गो. प्रसाद: (अपने लड़के से) क्यों, क्या हुआ?

शंकर: कुछ नहीं।

गो. प्रसाद: झुककर क्यों बैठते हो? ब्याह तय करने आए हो, कमर सीधी करके बैठो। तुम्हारे दोस्त ठीक कहते हैं कि शंकर की 'बैकबोन' - [इतने में बाबू राम स्वरूप चाय की 'ट्रे' लाकर मेज पर रख देते हैं।]

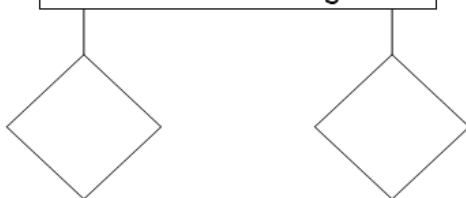
1 A1) ..

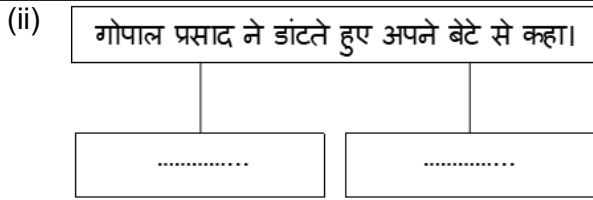
2

अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए:

(i)

रामस्वरूप ने अंदर जाते हुए कहा।





A2) ..

2

वाक्य को घटना क्रमानुसार लिखिए:
 कॉलेज की तो छुट्टियाँ नहीं हैं।
 जरा नाश्ता तो कर लीजिए।
 तुम्हारे दोस्त ठीक कहते हैं।
 मकान ढूँढने में कुछ तकलीफ तो नहीं हुई?

A3) ..

2

विरुद्धार्थी शब्द लिखिए।

(i) दोस्त × (ii) खत्म ×

समानार्थी शब्द लिखिए।

(i) रास्ता - (ii) तकलीफ -

A4) ..

2

स्वमत :-

‘महिलाएँ सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं’ इस विषय पर 8 से 10 पंक्तियों में अपने विचार लिखिए।

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

पात्र

उमा-सुशिक्षित यवुती, रामस्वरूप-उमा के पिता, प्रेमा-उमा की माँ, शंकर-युवक, गोपाल प्रसाद-शंकर के पिता

रामस्वरूप: रतन-रामस्वरूप का नौकर

[एक कमरा। अंदर के दरवाजे से आते हुए जिन महाशय की पीठ नजर आ रही है, वह अधेड़ उम्र के हैं। एक तख्त को पकड़े हुए कमरे में आते हैं। तख्त का दूसरा सिरा उनके नौकर ने पकड़ रखा है।]

रामस्वरूप: अबे ! धीरे-धीरे चल।.... अब तख्त को उधर मोड़ दे... उधर। (तख्त के रखे जाने की आवाज आती है।)

रतन: बिछा दें साहब?

रामस्वरूप: (जरा तेज आवाज में) और क्या करेगा? परमात्मा के यहाँ अक्ल बँट रही थी तो तू देर से पहुँचा था क्या? ... बिछा दूँ साहब! ... और यह पसीना किसलिए बहाया है?

रतन: (तख्त बिछाता है) हीं-हीं-हीं।

रामस्वरूप: (दरी उठाते हुए) और बीबी जी के कमरे में से हारमोनियम उठा ला, और सितार भी।... जल्दी जा (रतन जाता है। पति-पत्नी तख्त पर दरी बिछाते हैं।)

प्रेमा: लेकिन वह तुम्हारी लाड़ली बेटी उमा तो मुँह फुलाए पड़ी है।

रामस्वरूप: क्या हुआ?

प्रेमा: तुम्हीं ने तो कहा था कि उसे ठीक-ठाक करके नीचे लाना।

रामस्वरूप: अरे हाँ, देखो, उमा से कह देना कि जरा करीने से आए। ये लोग जरा ऐसे ही हैं। खुद पढ़े-लिखे हैं, वकील हैं, सभा-सोसाइटियों में जाते हैं; मगर चाहते हैं कि लड़की ज्यादा पढ़ी-लिखी न हो।

प्रेमा: और लड़का ?

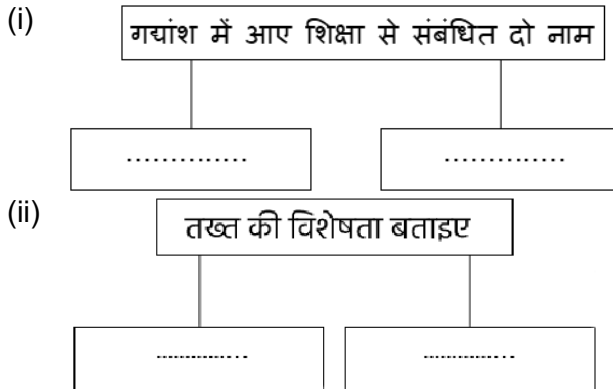
रामस्वरूप: बाप सेर है तो लड़का सवा सेर। बी.एस.सी. के बाद लखनऊ में ही तो पढ़ता है मेडिकल

कॉलेज में। कहता है कि शादी का सवाल दूसरा है, पढ़ाई का दूसरा। क्या करूँ, मजबूरी है।
रतन: बाबू जी, बाबू जी! (धीमी आवाज में)

1 A1) ..

2

अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए:



A2) ..

2

निम्नलिखित वाक्य सत्य या असत्य हैं पहचानकर लिखिए।

- तखात पर चादर बिछाया गया। -
- उमा से कह देना जरा करीने से आए। -
- जो लड़का उमा को देखने आ रहा है वह वकील है। -
- रतन ने धीमी आवाज से रामस्वरूप को बताया कि वह लोग आ पहुँचे हैं। -

A3) ..

2

मुहावरा लिखिए।

- (i) मुँह फुलाना।
अव्यय भेद पहचानिए।
(i) अबे ! -। (ii) धीरे-धीरे -।

A4) ..

2

स्वमत:

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ इस विषय पर २५ से ३० शब्दों में अपने विचार लिखिए।

(इ) निम्नलिखित अपठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

कुछ समय पूर्व तक गुरु की मार खाकर बच्चे जब घर रोते-रोते पहुँचते थे तो माता - पिता यहीं कहते थे - "जो गुरु से मार खाते हैं, उनका भविष्य उज्ज्वल होगा ही।" मगर आज गुरु किसी बच्चे को पीटे तो उन पर माता-पिता मुकदमा चलवा देते हैं। गुरु का सम्मान दाँव पर लगा है, उनका गौरव क्षीण हो गया है। आज के गुरु भी इस बात को समझ गए हैं और वे अपने कर्तव्यों से विमुख होते जा रहे हैं। प्राचीन काल में बच्चे भगवान का स्वरूप थे और शिक्षक पुजारी। इसलिए गुरु अपने भगवान की तन-मन से पूर्णरूप से सेवा करता और अपने शिष्य के सुंदर भविष्य का निर्माण करता था परंतु आज विज्ञान और तकनीकी के विकास ने बच्चों की मासूमियत को नष्ट कर दिया है यही कारण है आज शिक्षा पद्धति में भी महान परिवर्तन आ गया है जिसके कारण शिक्षकों का पेशा असुरक्षित हो रहा है। यह किसी भी देश के भविष्य के लिए घातक परिणाम होगा।

1 A1) ..

2

वाक्य पूर्ण कीजिए।

- आज शिक्षक किसी बच्चे को पीटे तो -
- शिक्षा पद्धति में परिवर्तन के कारण -

A2) ..

2

स्वमत:

गुरू और शिष्य के आपसी संबंधों पर अपने विचार लिखिए।

विभाग २ - पदय : 12 अंक

Q.2 (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

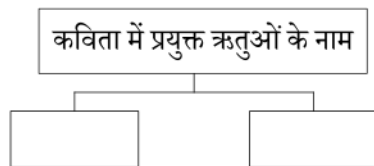
(6)

हाथ में संतोष की तलवार ले जो उड़ रहा है,
जगत में मधुमास, पर उसपर सदा पतझर रहा है,
दीनता अभिमान जिसका, आज उसपर मान कर लूँ ।
उस कृषक का गान कर लूँ ।।
चूसकर श्रम रक्त जिसका, जगत में मधुरस बनाया,
एक-सी जिसको बनाई, सृजक ने भी धूप-छाया,
मनुजता के ध्वज तले, आह्वान उसका आज कर लूँ ।
उस कृषक का गान कर लूँ ।।

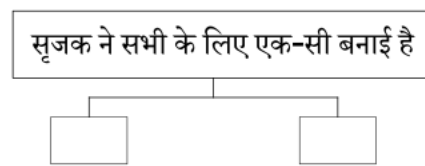
1 A1) ..

2

(i)



(ii)



A2) ..

2

शब्दों के वचन बदलकर लिखिए:

(i) हाथ - (ii) तलवार -

संयोजक शब्द ढूँढ कर लिखिए।

(i) (ii)

A3) ..

2

स्वमत:

उपर्युक्त पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ २५ से ३० शब्दों में लिखिए।

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(6)

आपसे किसने कहा स्वर्णिम शिखर बनकर दिखो,
शौक दिखने का है तो फिर नींव के अंदर दिखो ।

चल पड़ी तो गर्द बनकर आस्मानों पर लिखो,
और अगर बैठो कहीं तो मील का पत्थर दिखो ।

सिर्फ देखने के लिए दिखना कोई दिखना नहीं,
आदमी हो तुम अगर तो आदमी बनकर दिखो ।

जिंदगी की शकल जिसमें टूटकर बिखरे नहीं,
पत्थरों के शहर में वो आईना बनकर दिखो ।

आपको महसूस होगी तब हरइक दिल की जलन,
जब किसी धागे-सा जलकर मोम के भीतर दिखो ।

1 A1) ..

2

गजल की पंक्तियों का तात्पर्य:

- (i) नींव के अंदर लिखो
(ii) आईना बनकर दिखो

A2) ..

2

विरोधी शब्द लिखिए।

- (i) आस्मान × (ii) भीतर ×
निम्नलिखित शब्दों के लिए पद्यांश में आए शब्द खोजकर लिखिए।
(i) सुनहरा - (ii) चोटी

A3) ..

2

भावार्थ लिखिए :-

उपरोक्त पद्यांश में से अपनी पसंदीदा **किन्हीं चार** पंक्तियों का भावार्थ २५ से ३० शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

विभाग ३ - पूरक पठन : ८ अंक

Q.3 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(4)

अंदर की दुनिया

हमारे अंदर की दुनिया बाहर की दुनिया से कहीं ज्यादा बड़ी है। हम उसका विस्तार नहीं करते। बाहर की अपेक्षा उसे छोटा करते चले जाते हैं और उसे बिल्कुल निर्जीव कर लेते हैं। आजादी, पूरी आजादी, अगर कहीं संभव है तो इसी भीतरी दुनिया में ही, जिसे हम बिल्कुल अपनी तरह समृद्ध बना सकते हैं - स्वार्थी अर्थों में सिर्फ अपने लिए ही नहीं निःस्वार्थी अर्थों में दूसरों के लिए भी महत्त्व रखता है और स्वयं अपने लिए तो विशेष महत्त्व रखता ही है। -१० मार्च १९९८

मकान पर मकान

जिस गली में आजकल रहता हूँ-वहाँ एक आसमान भी है लेकिन दिखाई नहीं देता। उस गली में पेड़ भी नहीं हैं, न ही पेड़ लगाने की गुंजाइश ही है। मकान ही मकान हैं। इतने मकान कि लगता है मकान पर मकान लदे हैं। लंद-फंद मकानों की एक बहुत बड़ी भीड़, जो एक सँकरी गली में फँस गई और बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं है। जिस मकान में रहता हूँ, उसके बाहर झाँकने से 'बाहर' नहीं सिर्फ दूसरे मकान और एक गंदी व तंग गली दिखाई देती है। चिड़ियाँ दिखती हैं, लेकिन पेड़ों पर बैठीं या आसमान में उड़तीं हुई नहीं। बिजली या टेलीफोन के तारों पर बैठी, मगर बातचीत करतीं या घरों के अंदर यहाँ - वहाँ घोंसले बनाती नहीं दिखतीं। उन्हें देखकर लगता मानो वे प्राकृतिक नहीं, रबड़ या प्लास्टिक के बने खिलौने हैं, जो शायद ही इधर-उधर फुदक सकते हो या चूँ-चूँ की आवाजें निकाल सकते हों।

मैं ऐसी सँकरी और तंग गली में, मकानों की एक बहुत बड़ी भीड़ से बिजली या टेलीफोन के तारों से उलझे आसमान से एवं हरियाली के अभाव से जूझते अपने मुहल्ले से बाहर निकलने की भारी कोशिश में हूँ।

-१० मार्च १९९८

सही साहित्य

सही और संपूर्ण साहित्य वह है, जिसे हम दोनों आँखों से देखते हैं - सिर्फ बाईं या सिर्फ दाईं आँख से नहीं।

-८ अगस्त, १९९८

1 A1) ..

2

अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए :-

घर से बाहर झाँकने पर दिखाई देता है।

A2) ..

2

स्वमत :-

मन की आजादी' पर अपने विचार कीजिए।

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(4)

घना अँधेरा चमकता प्रकाश और अधिक ।	
	करते जाओ पाने की मत सोचो जीवन सारा ।
जीवन नैया मंझधार में डोले, सँभाले कौन ?	
	रंग-बिरंगे रंग-संग लेकर आया फागुन ।

1 A1) ..

2

(1) उत्तर लिखिए:

(i) मंझधार में डोले - _____ (ii) रंग - संग लेकर - _____

(2) आकृति पूर्ण कीजिए।

पद्यांश में प्रयुक्त महीने और ऋतु का नाम -	
(i) _____	(ii) _____

A2) ..

2

स्वमत :-

'फागुन के महीने में प्रकृति रंगों से रंग जाती है।' विषय पर अपने विचार 25 से 30 शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

विभाग ४ - भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 14 अंक

Q.4 सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

(1) अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए :-

(1)

कितना दूध लाता है।

(2) निम्नलिखित अव्यय शब्दों में से किसी एक का अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए :-

(1)

(i) कभी भी -

(ii) के लिए

(3) तालिका पूर्ण कीजिए (कोई एक) :-

(1)

संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
i) नदीश
ii)	निः+चय

(4) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्य की सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए।

(1)

(i) हमने गहने पहनने छोड़ दिए हैं।

(ii) काकी चटपट उठ बैठी।

(5) निम्नलिखित में से किसी एक क्रिया का 'प्रथम' तथा 'द्वितीय' प्रेरणार्थक रूप लिखिए।

(1)

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया	द्वितीय प्रेरणार्थक क्रिया
i) रोना
ii) पकड़ना

(6) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए :-

(1)

बीस किलोमीटर तक दौड़ना तो मेरे लिए बहुत आसान है।

(दिल बैठना, बाएँ हाथ का खेल होना)

अथवा

निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरे का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग कीजिए

1) फूट-फूट कर रोना -

2) विदा लेना -

(7) निम्नलिखित वाक्यों में प्रयुक्त कारको में से कोई एक कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए।

(1)

1) करामत अली ने हौका भरते हुए कहा।

2) उनके फ्रांसीसी दोस्तों के लिए खाना भेजती थी।

(8) निम्नलिखित वाक्यों में यथास्थान उचित विरामचिह्नों का प्रयोग करके वाक्य फिरसे लिखिए।

(1)

1) केवल टीका, नथुनी बिछिया रख लिए थे

2) मैं भी पूछता हूँ जानते हो ये अस्त्र शस्त्र क्यों बढ़ रहे हैं

(9) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए।

(2)

(i) काँटों ने फूल की जान बचाई। (सामान्य भविष्यकाल)

(ii) क्रोध से उसके नेत्र लाल हो गए। (पूर्ण वर्तमानकाल)

(iii) मानू को ससुराल पहुँचाने मैं ही जाता हूँ। (सामान्य भविष्यकाल)

(10) (i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए :-

(1)

दूसरों से बाहर से केवल झगड़ा हाथ लगता है।

ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक वाक्या अर्थ के आधार पर दी गई सूचनानुसार परिवर्तन कीजिए।

(1)

1) मैं घर जाना चाहता हूँ। (प्रश्नार्थक वाक्य)

11) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके फिर से लिखिए।

(2)

(iii) जूते निकाल दो।

(ii) माधव शुक्ल हमारे यहाँ आती थी।

विभाग ५ - उपयोजित लेखन : 26 अंक

Q.5 (अ) (1) पत्र लेखन -

(5)

निम्नलिखित जानकारी पर आधारित पत्रलेखन कीजिए :-

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र-लेखन कीजिए।

शुभम/शुभांगी, ४५, गणेश नगर, जलगाँव से व्यवस्थापक, मीरा पुस्तक भंडार, नेताजी मार्ग, नासिक को हिंदी पुस्तकों की माँग करते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

OR

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र-लेखन कीजिए।

राज/राजश्री अगरवाल, २०, वरद सोसायटी, सायन, पूर्व, मुंबई से अपने दादाजी रमेश अगरवाल, राधा निवास, आदर्श कॉलोनी, संगमनेर को ७५वें जन्मदिन पर बधाई देते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

(2) गद्य आकलन -

(4)

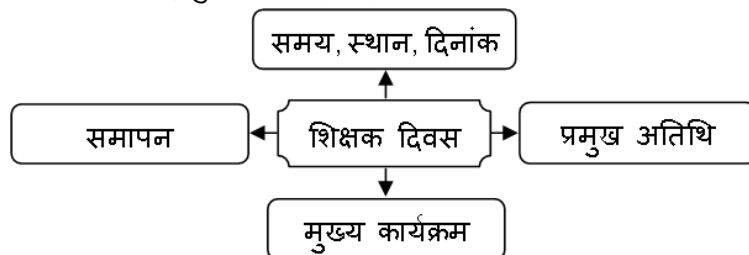
निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर एक-एक वाक्य में उत्तरवाले चार ऐसे प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर परिच्छेद में हों :-

वास्तव में व्यय करना भी एक कला है। इस कला का उपयोग आप बाजार में खरीदारी करते समय बखूबी कर सकते हैं। जब आप बाजार जाते हैं, तो आपको दुकान पर अनेक आकर्षक वस्तुएँ नजर आती हैं। स्वाभाविक है कि आपकी इच्छा इन्हें खरीदने को होगी, परंतु अपनी जेब की ओर अवश्य देखें। वस्तु उपयोगी हो तथा उसे खरीदना आवश्यक हो तब ही खरीदें, अन्यथा नहीं। आमदनी के अनुसार ही खर्च करने से प्रसन्न रहा जा सकता है। अपनी सीमित आय में ही संतोष करना सुख का सर्वोत्तम उपाय है। समझदार व्यक्ति को चाहिए कि वह भविष्य के बारे में भी कुछ सोचे। व्यय करने से पहले यह ध्यान रखना चाहिए कि आपसी आय के अनुरूप है भी या नहीं। यदि नहीं तो कोई जरूरी नहीं कि आप अपनी दैनिक आवश्यकताओं में कटौती कर अपना शौक पूरा करें।

(आ) (1) वृत्तांत लेखन -

(5)

टैगोर विद्यालय, पुणे में मनाए गए शिक्षक दिवस समारोह का आँखों देखा हाल लिखिए।



अथवा

कहानी लेखन -

(5)

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 70 से 80 शब्दों में कहानी लिखिए, और उचित शीर्षक दीजिए :-

विजय एक लड़का - स्कूल जाने की जल्दबाजी में - चौराहे पर दुर्घटना - उसके ही सहपाठी अजित की लारी से हुई दुर्घटना - अजित बुरी तरह घायल - लोगों की मदद से अस्पताल पहुँचाना - फिर स्कूल पहुँचाना - देरी के लिए अध्यापक द्वारा डाँट - फटकार - हकीकत बताना - सभी छात्रों के सामने गौरव - सीख।

(2) विज्ञापन लेखन -

(5)

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 60 शब्दों में आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए:

(5)

वसुंधरा नर्सरी, सातारा

संपर्क - पता

विशेषताएँ

(इ) निबंध लेखन -

(7)

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में निबंध लिखिए :-

- (1) मैं सैनिक बोल रहा हूँ
- (2) त्यौहार – सांस्कृतिक एकता के प्रतीक
- (3) प्रदूषण - एक समस्या

